संपादकीय

अफवाहों पर नकेल

इंटरनेट तक सहज पहुंच व मोबाइल क्रांति के बाद सोशल मीडिया में फर्जी खबरों के उफान ने पूरी दुनिया को परेशान किया है। लचर कानून और सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों की मनमानी ने इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया में संपादक नामक संस्था के न होने से एक किस्म की अराजकता डिजिटल मीडिया की दुनिया में आ गई। इस पर अंकुश?लगाने की कोशिश पूरी दुनिया में हो रही है। अब सिंगापुर की संसद ने फर्जी खबरों को रोकने का कानून पास कर इसे अपराध की श्रेणी में ला दिया है। यदि कोई व्यक्ति फर्जी खबरों के लिये दोषी पाया जाता है तो कंपनी पर एक मिलियन डॉलर का जुर्माना और दोषी व्यक्ति को दस साल तक की सजा हो सकती है। बुधवार को सिंगापुर की संसद में पारित कानून में कानून मंत्री को अधिकार होगा कि वह सोशल मीडिया साइटों पर झूठी पोस्टों के बाबत चेतावनी दे सकें। यदि झूठी पोस्ट सिंगापुर के हितों का अतिक्रमण करती पायी गई तो सरकार कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई करेगी। सिंगापुर की संसद में बहुमत से पारित 'ऑनलाइन फाल्सहुड एंड मैनीपुलेशन बिल' को विपक्षी दल व मानवाधिकार कार्यकर्ता अभिव्यक्ति का गला घोंटने का प्रयास बता रहे हैं। उनका मानना है कि यह कानून विचारों के स्वतंत्र प्रवाह में बाधक बनेगा। कानून के अनुसार ऑनलाइन मीडिया कंपनी को सरकार के अनुसार बतायी गई गलत सूचना को सुधारने व हटाने का मौका दिया जायेगा। वैसे तो मलेशिया दुनिया में ऐसा पहला देश था जहां फर्जी खबरों को रोकने के लिये कानून बनाया गया। लेकिन अगस्त 2018 में महातिर मोहम्मद की सरकार बनने के बाद कानून वापस ले लिया गया। गाहे-बगाहे कई देशों में इस तरह के कानून बनाने की मांग उठ रही है। दरअसल, इस समस्या से यूरोपीय देश भी खासे परेशान हैं।

जुलाई 2017 में जर्मन सरकार नफरत फैलाने वाली पोस्टों पर रोक लगाने के लिये एक सख्त कानून लेकर आई?थी, जिसमें भारी जुर्माने का प्रावधान भी?था। जिसमें उल्लेख था कि यदि गैरकानूनी सामग्री समय रहते नहीं हटायी जाती तो सोशल मीडिया कंपनियों पर पांच करोड़ यूरो तक जुर्माना लगाया जा सकता था। इसके अंतर्गत फेसबुक, यूट्यूब व अन्य वेबसाइटों को 24 घंटे के भीतर अपने प्लेटफॉर्म से आपत्तिजनक सामग्री हटाना अनिवार्य बनाने का प्रावधान शामिल किया गया। ऐसी पोस्टों का कंपनियों को एक सप्ताह के भीतर मूल्यांकन करना होगा। यह अपनी तरह का दुनिया का सबसे कड़ा क़ानून है। कानून के क्रियान्वयन में विफल रहने पर कंपनी पर पचास लाख यूरो का जुर्माना लगेगा, जिसे पांच करोड़ यूरो तक बढ़ाया जा सकता है। हालांकि लंबे विमर्श?के बाद जर्मन संसद द्वारा पारित कानून को लेकर मानवाधिकार संगठन इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक लगाने का प्रयास बताते रहे हैं। दरअसल, यह आम धारणा है कि अपने आर्थिक हितों के संरक्षण को प्राथमिकता देने वाले सोशल मीडिया ऑपरेटर बिना राजनीतिक दबाव के कोई कदम नहीं उठाते। भारत भी इसी तरह की समस्या से दो-चार है। यहां भी गैर कानूनी और समाज में विद्वेष फैलाने वाली पोस्ट हटाने में सर्विस ऑपरेटर समय रहते कार्रवाई नहीं करते। जब कोर्ट का दबाव होता है, तभी वे सक्रियता दिखाते हैं। देश में एक समस्या यह भी है कि इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये अलग से कोई सख्त कानून नहीं है। विडंबना यही है कि देश का कानून फेक न्यूज़ शब्द को परिभाषित ही नहीं करता। सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें पोस्ट करने पर इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी यानी आई. टी. एक्ट के तहत ही कार्रवाई होती है।

स्पाइसजेट: 15 घंटे में पूरा हुआ बेंगलुरु-दिल्ली के बीच तीन घंटे का हवाई सफर

नई दिल्ली। फ्लाइट से यात्रा का समय कई गुना घट जाता है। यह अलग बात है कि हवाई टिकट कई गुना महंगा भी होता है। लेकिन, बेंगलुरु से दिल्ली की हवाई यात्रा के लिए निकले लोगों के साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसे वह जीवन भर भूल नहीं पाएंगे। हुआ यह कि दोनों शहरों के बीच तीन घंटे का यह सफर 15 घंटे में पूरा हुआ और यात्रियों पर किराए और वक्त की दोहरी मार पड़ी।

तय समय से पांच गुना वक्त में सफर की यह कहानी स्पाइसजेट से जुड़ी है। शुक्रवार

की रात स्पाइसजेट की फ्लाइट स्ल-8720 बेंगलुरु से सीधे दिल्ली के लिए उड़ी। उसे दोनों शहरों के बीच कहीं रुकना नहीं था, क्योंकि वह नॉन-स्टॉप फ्लाइट थी। लेकिन, रात 10 बजे के नियत समय से बेंगलुरु से उड़ान भरने वाली एसजी-8720 शुक्रवार रात डेढ़ घंटे की देरी से यानी करीब 11:30 बजे उड़ान भर पाई। उसके बाद विमान में आई एक खामी की वजह से फ्लाइट को नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। यात्रियों का कहना है कि उन्हें स्पाइसजेट के इस बोइंग 737 विमान में रातभर बंद रखा गया जब तक कि वैकल्पिक विमान वहां से यात्रियों को लेकर नहीं उड़ा।

इलाज की नौबत

उसी फ्लाइट से सफर करने वाले एक यात्री ने बताया, (बेंगलुरु से उड़ने के) एक घंटे बाद फ्लाइट नागपुर में उतरी। (स्पाइसजेट ने) उन्होंने हमें छह घंटे तक प्लेन में बंद रखा और फिर एयरपोर्ट के अंदर हम चार घंटे और इंतजार करते रहे। (शनिवार) सुबह 10 बजे उन्होंने हमें नए विमान में बिठाया और उसमें भी हम डेढ़ घंटे बैठे रहे, फिर भी विमान नहीं उड़ा। उन्होंने आगे कहा, मुझे डॉक्टर से इलाज करवाना होगा क्योंकि सबकुछ बहुत तनावपुर्ण रहा है। यात्रियों ने आपा खो दिया और प्लेन से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे जिसकी अनुमति नहीं दी गई। स्पाइसजेट का रवैया शुरू से असहयोग का रहा।

स्पाइसजेट की सफाई

वहीं, स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने इस घटना पर कंपनी की ओर सफाई दी। उसने कहा, बेंगलुरु से दिल्ली के बीच संचालित एसजी- 8720 फ्लाइट तकनीकी समस्या के कारण नागपुर डायवर्ट हो गई। वहां उसकी नॉर्मल लैंडिंग हुई, न कि इमर्जेंसी लैंडिंग। वहां यात्रियों को रिफ्रेशमेंट्स दिए गए और एक वैकल्पिक विमान भेजा गया। वहां से फ्लाइट दिल्ली के लिए रवाना हुई।

ऑफलाइन स्टेशन है नागपुरः स्पाइसजेट

यात्रियों को लंबे समय तक प्लेन में बिठाए रखने की शिकायत के सवाल पर स्पाइसजेट के सूत्रों ने कहा कि नागपुर स्पाइसजेट के लिए ऑफलाइन स्टेशन है। यानी, वहां कंपनी की कोई फ्लाइट नहीं रहती है। एयरलाइंस का कहना है कि ऐसी जगहों पर वैकल्पिक विमान की व्यवस्था करने में कभी-कभार ज्यादा वक्त लग जाता है क्योंकि वहां उनका अपना स्टाफ नहीं होता है।

तेल कंपनियों ने लगातार चौथे दिन घटाए पेट्रोल, डीजल के दाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। तेल विपणन कंपनियों ने लगातार चौथे दिन पेट्रोल और डीजल के दाम घटाकर उपभोक्ताओं को महंगाई से बड़ी राहत पहुंचाई है। इन चार दिनों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में पेट्रोल 1.27 रुपये लीटर सस्ता हो गया है और डीजल के दाम भी 55 पैसे लीटर घट गए हैं। दिल्ली और कोलकाता में रविवार को पेट्रोल के दाम में 42 पैसे प्रति लीटर की कटौती की गई। पेट्रोल के दाम मुंबई में 41 पैसे और चेन्नई में 44 पैसे प्रति लीटर घट गए हैं। वहीं, डीजल के दाम में दिल्ली में 17 पैसे जबकि कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में 18 पैसे प्रति लीटर की कटौती की गई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के भाव घटकर क्रमशः71.73 रुपये, 73.79 रुपये, 77.34 रुपये और 74.46 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

ट्विटर पर बीजेपी का जलवा, 11 मिलियन फॉलोवर जोड़ने वाली दुनिया की पहली पार्टी बनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गर्मजोशी के साथ एक और मील का पत्थर पार करते हुए ट्विटर पर एक करोड़ 10 लाख (11 मिलियन) से ज्यादा फॉलोवरों को अपने साथ जोड़ लिया। बीजेपी ने दुनिया भर के सभी राजनतिक पार्टियों को पीछे छोड़ ट्विटर पर सबसे ज्यादा फॉलोवर बना लिए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस पार्टी से भाजपा के फॉलोवर्स की संख्या दोगुनी हो गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भाजपा वर्ष 2010 में जुड़ी थी। वहीं फरवरी 2013 में ट्विटर पर आई कांग्रेस के पास 50 लाख 14 हजार (5.14) फॉलोवर्स हैं। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने शनिवार को इस की घोषणा करते हुए ट्विटर पर

कहा, हम सभी के लिए यह एक शानदार उपलब्धि है। धन्यवाद। यह जानकारी ऐसे समय में मिली है, जब हाल ही में एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संयुक्त रूप से फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम में 1 अरब 10 करोड़ 91 लाख 26 हजार 480 (110,912,648 मिलियन) फॉलोवर्स के साथ दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता बन गए हैं।

अभी भारत में चारपहिया इलेक्ट्रिक वाहन के व्यापक इस्तेमाल में समयः ओला

नई दिल्ली। एप के जरिए टैक्सी सेवा प्रदान करने वाली ओला का मानना है कि बिजली से चलने वाले चार पहिया वाहनों के बड़े पैमाने पर बाजार में आने में समय लगेगा। इसलिए कंपनी बिजली से चलने वाले दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों पर अधिक जोर दे रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहा। ओला ने नागपुर में बिजली से चलने वाले चारपहिया वाहनों के साथ एक प्रयोग किया था। कंपनी के मुताबिक इस प्रयोग से मिली समझ से उसे लगता है कि चारपहिया ई-वाहन अभी भारत में बड़े स्तर पर इस्तेमाल के

लिहाज से पूरी तरह तैयार नहीं हैं। कंपनी की योजना इसलिए मार्च, 2020 के आखिर तक भारत की सड़कों पर दस हजार ई-वाहनों (दोपहिया एवं तिपहिया) को उतारने की है। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (ओईएम) के सह-संस्थापक आनन्द शाह ने पीटीआई-भाषा से कहा, (नागपुर) से हमें सबसे बड़ा सबक यह मिला कि चारपहिया वाहन अभी तैयार नहीं है। बड़े पैमाने पर ऐसे वाहनों के भारत की सड़कों पर आने में कुछ साल अभी और लगेंगे। शाह के मुताबिक कंपनी ने इस विश्वास को नहीं छोड़ा है कि विद्युतीकरण लंबी अवधि में व्यवहारिक है। ई-परिवहन को लेकर कंपनी की योजना साझा करते हुए शाह ने कहा, हम आने वाले वर्षों में दोपहिया और तिपहिया वाहनों पर जोर दे रहे हैं। नागपुर के अनुभव के बाद हम यह कहने की स्थिति में हैं कि हमें फिलहाल इन्हीं दोनों क्षेत्रों पर ध्यान देना चाहिए।

कोयला खनन की नई परियोजनाओं के विकास में तेजी ला रही एससीसीएल

नई दिल्ली। नये ऊर्जा संयंत्रों की ईंधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एससीसीएल ने कल्याणी खानी-6 इनक्लाइन ब्लॉक सहित कुछ कोयला खनन परियोजनाओं के विकास की गति को बढ़ा दिया है। कंपनी ने खनन से पहले की गतिविधियों के लिए आशय पत्र आमंत्रित किये है। तेलंगाना में स्थित कल्याणी खानी-6 इनक्लाइन नयी भूमिगत कोयला खनन परियोजना है। इस खान में 1.565 करोड़ टन का कोयला भंडार है जिसे निकाला जा सकता है। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने अपनी वेबसाइट पर खनन पूर्व गतिविधियों और विकास कार्य के लिए आशय पत्र आमंत्रित किया है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा है कि आंध्र प्रदेश से अलग होने के बाद तेलंगाना में बिजली की कमी हो गयी है। बिजली की कमी को पूरा करने के लिए तेलंगाना सरकार ने क्षमता में 6,000 मेगावॉट के आसपास की वृद्धि का लक्ष्य तय किया है।

आज का राशिफल

मेषः- विवाद को बढ़ावा न दें। जहां तक हो सके, यात्रा टालें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दुःखद समाचार मिल सकता है।

वृषः- समाजसेवा की प्रेरणा प्राप्त होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पहले की गई मेहनत का फल प्राप्त होगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुनः- भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रभावशाली व्यक्ति यों से संपर्क बन सकता है।

कर्कः- किसी लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

सिंहः- क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। लेन-देन में धोखा खा सकते हैं।

कन्याः- रुका हुआ पैसा मिल सकता है। समाजसेवा कर पाएंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

तुलाः- मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

वृश्चिकः- धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। धार्मिक कार्य पर व्यय हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होगी। आशंका-कुशंका के चलते कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है।

धनुः- लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कोई पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि हो सकती है।

मकरः- कानूनी अड़चन दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। नए मित्र बनेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

कुंभः- स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मीनः- बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में कोई नया कार्य कर पाएंगे। संगीत आदि में रुचि रहेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मांग सुस्ती से सोना-चांदी में गिरावट

इंदौर (आरएनएस)। सप्ताहांत सोने तथा चांदी में ग्राहकी सुधार लिए रही इससे हाजिर भाव मजबूती लिए बताए गए। बीते सप्ताह में सोना 340 रुपये तथा चांदी के भाव में 45 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़त दर्ज की गई। कारोबार की शुरुआत में सोना 32480 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार को 32820 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में कारोबार की शुरुआत 37775 रुपये पर हुई वहीं अंतिम दिन चांदी में 37820 रुपये प्रति किलो के स्तर पर सौदे हुए।

वरिष्ठ अधिकारी को आईपीएल पास मांगने पर सजा मिली

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने केंद्रीय ड्यूटी पर आए एक वरिष्ठ अधिकारी को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पास मांगने के कारण वापस अपने विभाग भेज दिया है। गोपाल कृष्ण गुप्ता को सरकार ने उनके कैडर रेलवे में वापस भेज दिया है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश के मुताबिक, भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर्स के 1987 बैच के गुप्ता नई दिल्ली में नई एवं नवीनकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में सह-सचिव के पद पर कार्यरत थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली नियुक्ति समिति ने उन्हें तत्काल प्रभाव से वापस रेलवे विभाग भेज दिया है।

आदेश में हालांकि किसी खास वजह का जिक्र नहीं है। लेकिन आईएएनएस के पास एक पत्र है, जिसमें गुप्ता के पास मांगने को कारण बताया गया है। गुप्ता ने मार्च में डीडीसीए के अध्यक्ष रजत शर्मा को फोन कर 30 मार्च को हुए मैच के लिए पास मांगे थे। जब डीडीसीए ने उनकी बात नहीं सुनी तो उन्होंने तीन अप्रैल को रजत शर्मा के खिलाफ शिकायत लिखी, जिसमें उन्होंने रजत शर्मा द्वारा मांग पूरी न करने पर निराशा जताई थी।

कटहल की सब्जी को ऐसे बनाये स्वादिस्ट

सामग्री

कटहल -250 ग्राम
चावल -2 कप
चीनी 1 कप केसर 1 चुटकी
काजू 1 कप
1 चम्मच इलायची पाउडर
स्वादनुसार नमक
अवश्क्तानुसार तेल

विधि

सबसे पहले कटहल को काट कर इसके बीज निकाल लें। अब एक पैन में पानी और नमक डालकर इसके बीज उबाल लें। अब एक कड़ही में तेल गर्म करें। अब इसमें कटे हुए काजू डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद इसमे कटहल डालें अब इलायची, केसर डालकर कुछ देर पकाएं। अब इसमें पानी में भीगे हुए चावल डालें। अब इसमे चुटकीभर नमक डाले। अब इसमें थोड़ा पानी डालकर 10 मिनट तक पकाएं। अब इसमें चीनी और कटहल के उबले बीज डालकर अच्छी तरह मिक्स करे। अब आपकी कटहल की सब्जी बन कर तैयार है इसे गर्मागर्म सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-62

बाएं से दाएं
1. खूब कसा हुआ, फुर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे
1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

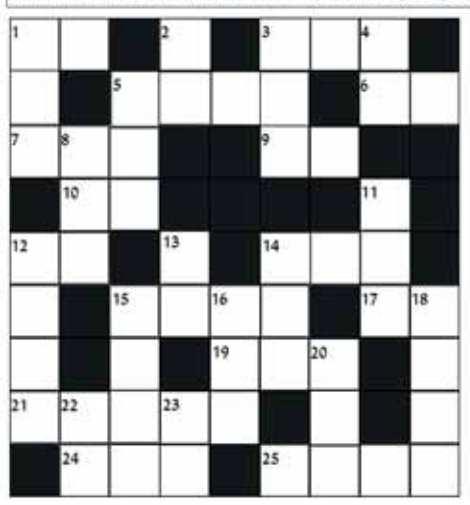

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 61 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

सू-दोकू- 62

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 61 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6